

Profit

INDIAN ECONOMY

By Rameshwar Sir



Public Finance

लोक - वित्त

Circular Economy



संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल
पर ध्यान देने वाली अर्थव्यवस्था ।



Recycling,

Reuse,

Refurbishment,

Repair,

Sharing आदि पर आधारित ।

Linear Economy

Take,

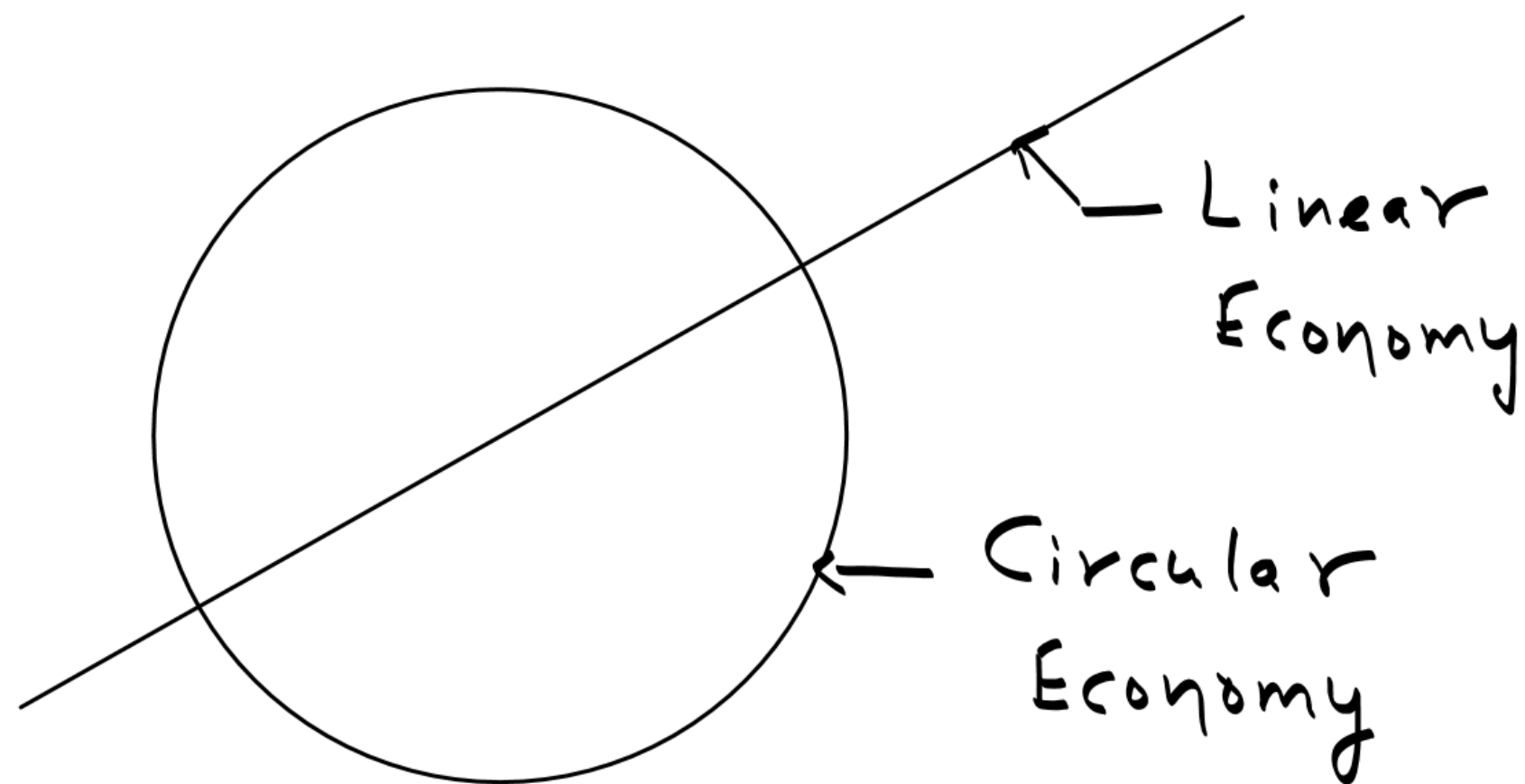
Make

&

Dispose

पर आधारित

अर्थ-प्रवस्था जो संसाधनों की वचन
पर ध्यान नहीं देती है।



भारत में राष्ट्रीय आय के अनुमान की नई विधा

1. इसे जन. २०१५ में
2. यह SNA - २००८ पर
आधारित है।
- 3.

GNP at Constant Market Prices

$\overline{M}$

Real GNP_{mp}

Real GDP_{FC}



At Factor Cost
(साधन लागत पर)

UPSC Mains २०२१

$$GDP = \sum GVA \text{ at basic prices}$$

Plus
 Net Taxes on Products
 उत्पादों पर कर
 वस्तु सेवा
 आयात पर

Public Finance

लोक वित्त

प्रस्तावना -

सरकारी वित्त को
लोक-वित्त कहते हैं।

1. सरकारी आय या प्राप्ति याँ ।

2. सरकारी खर्च ।

3. सरकारी घाटे ।

4.

सरकारी प्राप्तिघाँ (Govt. Receipts)

१. राजस्व प्राप्तिघाँ

२. पूँजीगत प्राप्तिघाँ

राजस्व प्राप्तिघाँ (Revenue Receipts)

न तो सार्वजनिक सम्पत्ति (Public Assets)

सार्वजनिक देयताओं (Public Liabilities)

देयता

- त्रुण जो लिखा है।
- जमाये - जो ली है।

(i) कर राजस्व (Tax Revenue)

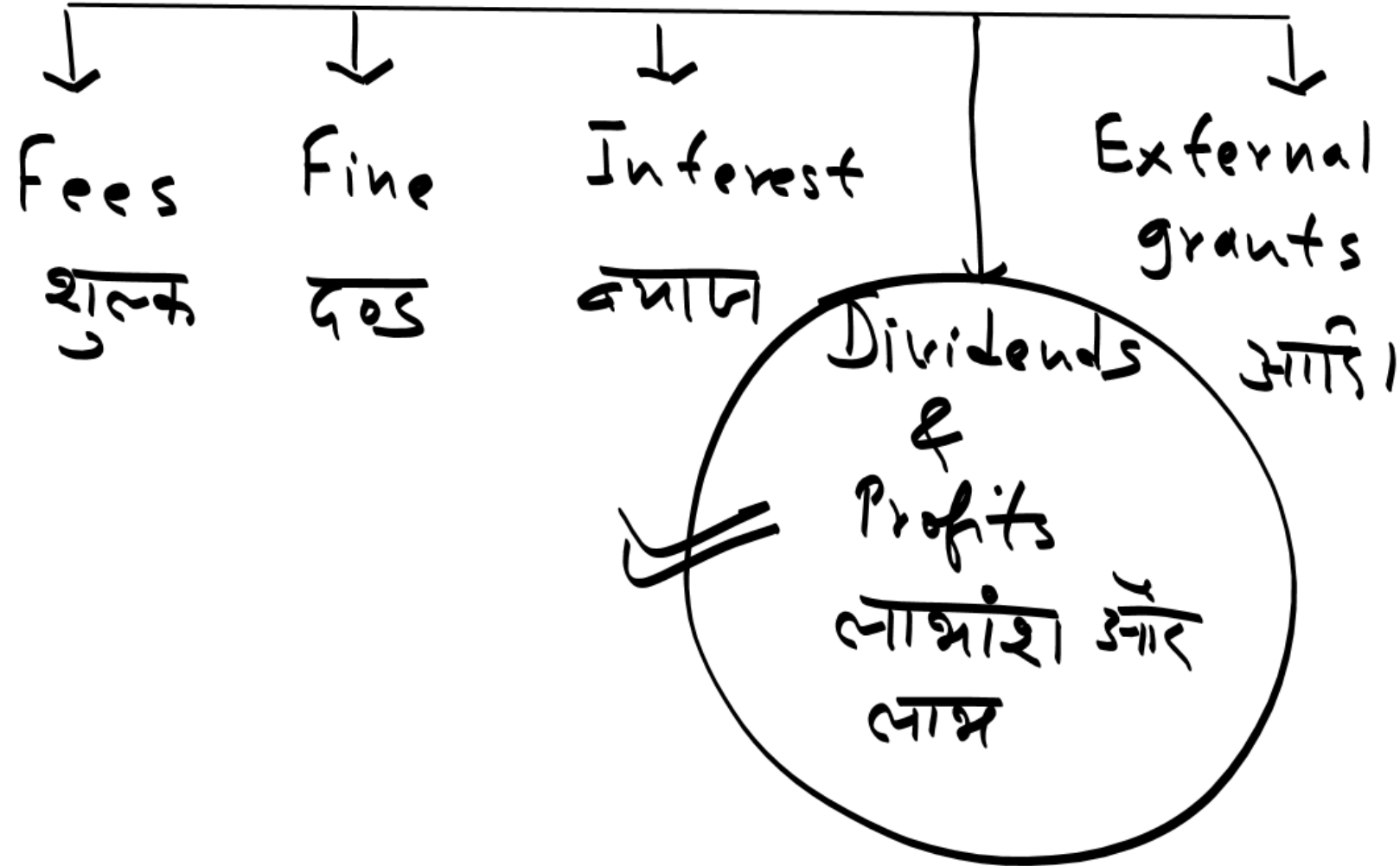


प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों
से प्राप्त समस्त आय ।

Note :

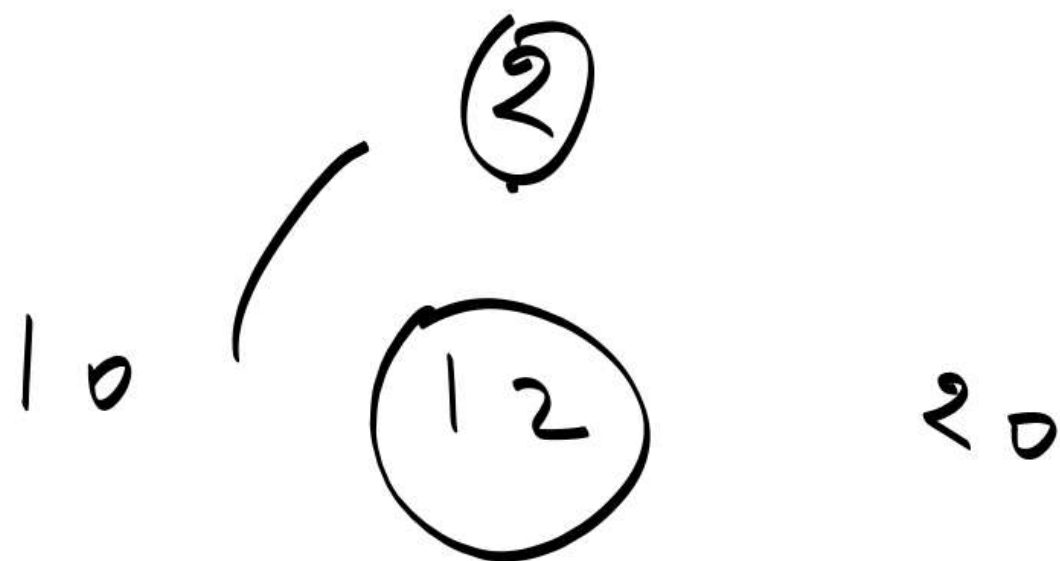
राज्य को
कर-दाताओं से

(ii) गैर-कर राजस्व (Non Tax Revenue)



Unilateral transfer

(एक तरफ़ा स्थानान्तरण)



12
1.20

~~~~~

"

~~~~~

"

~~~~~

"

~~~~~